Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
MD-203

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2018

M. A. Philosophy (Semester: Second)

Philosophy

वेदान्त-मीमांसा दर्शन – 2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-अ
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. वेदान्त दर्शनानुसार जगत् सम्बन्धी विचार की विवेचना करें।
2. आकाश आदि भूतों से इन्द्रियों की उत्पत्ति एवं लय के क्रम की विवेचना करें।
3. ब्रह्मसूत्र के द्वितीय अध्याय के तृतीय पाद के प्रतिपाद्य विषय का निरूपण करें।
4. मीमांसा न्याय प्रकाश के अनुसार भावना के स्वरूप को प्रतिपादित करें।
5. मीमांसा न्याय प्रकाश के अनुसार सोदाहरण विशिष्ट विधि का निरूपण करें।

खण्ड-ब
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. इतरेषां चानुलब्धेः, स्वपक्षदोषाच्च – इन सूत्रों की ससन्दर्भ व्याख्या करें।
2. ब्रह्मसूत्र के द्वितीय अध्याय के द्वितीय पाद के प्रतिपाद्य विषय का संक्षिप्त वर्णन करें।
3. नात्माश्रुतेर्नित्यत्वाच्च ताभ्यः एवं अविरोधश्चन्दनत् – सूत्रों की ससन्दर्भ व्याख्या करें।
4. मीमांसा न्याय प्रकाश के अनुसार धर्म लक्षण पर प्रकाश डालें।
5. मीमांसा न्याय प्रकाश के अनुसार वेद की अपौरूषेयता सप्रमाण सिद्ध करें।
6. मीमांसा न्याय प्रकाश के अनुसार अधिकार विधि के स्वरूप का निरूपण करें।

खण्ड–स
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×0.5=05)**

1. ब्रह्मसूत्र के लेखक का नाम बताइये?
(अ) गौतम (ब) बादरायण
(स) कणाद (द) शंकराचार्य

2. ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय के प्रथम पाद का प्रथम सूत्र है .....
(अ) इतरेषां चानुपलब्धेः
(ब) एतेन योगः प्रत्युक्तः
(स) स्मृत्यनवकाश दोष प्रसङ्ग इति चेत् न अन्यस्मृत्यनवकाशदोषप्रसङ्गात्
(द) सर्वधर्मोपत्तेश्च

3. अद्वैतमत के प्रवर्तक आचार्य है?
(अ) शंकराचार्य (ब) रामानुजाचार्य
(स) पतञ्जलि (द) वररूचि

4. रचनानुपपत्तेश्च सूत्र द्वितीय अध्याय के किस पाद का है?
(अ) प्रथम (ब) चतुर्थ
(स) तृतीय (द) द्वितीय

5. वेदान्त दर्शन में सत्ता के कितने प्रकार हैं?
(अ) तीन (ब) चार
(स) पाँच (द) दो

6. मीमांसा न्याय प्रकाश के रचयिता कौन है?
(अ) गदाधर (ब) मण्डन मिश्र
(स) प्रभाकर (द) आपदेव

7. मीमांसा न्याय प्रकाश के अनुसार वेद के कितने विभाग है ?
(अ) दस (ब) पाँच
(स) पन्द्रह (द) सोलह

8. गुणविधि का उदाहरण है .....
(अ) दहना जुहुयात् (ब) सोमेन यजेत
(स) अग्निहोत्रं जुहुयात् (द) स्वर्गकामो यजेत

9. विधि के भेद हैं?
(अ) चार (ब) पाँच
(स) दो (द) दस

10. फलस्वाम्य बोध विधि कहलाती है .....
(अ) प्रयोग विधि (ब) अधिकार विधि
(स) उत्पत्ति विधि (द) अपूर्व विधि

----------x----------